LIBRA WELFARE SOCIETY

ANNUAL REPORT
2020-21

एक आवाज़, एक प्रयास

REGISTRATION NO.: 7690

लिब्रा वेलफयर सोसायटी रजिस्टार ऑफिस से पंजीकृत गैर सरकारी संगठन के रूप मे **2008** से कार्य कर रहा है। नेत्रहीन बच्चों के लिये टॉकिंग बुक्स, मतदाता जागरूकता के लिये रेडियो कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, बुजुर्गों के लिये डे केयर सेंटर का संचालन, महिलाओं, बुजुर्गों व बच्चों के लिये विभिन्न प्रकार की कार्यषालाओं का आयोजन, प्लास्टिक हटाओ अभियान, होली के रंगों के दुष्प्रभाव व हर्बल रंगों का निर्माण व प्रयोग, अपनी सुरक्षा अपने अधिकार श्रृंखला में महिला अधिकारों एवं सषक्तीकरण जैसे अभियानों का संचालन इस संस्थान द्वारा किया जा रहा है। कुपोषण की समस्या के लिये अपना भोजन स्वयं उगाने और पर्यावरण को बढ़ावा देने का कार्य भी किया गया है।

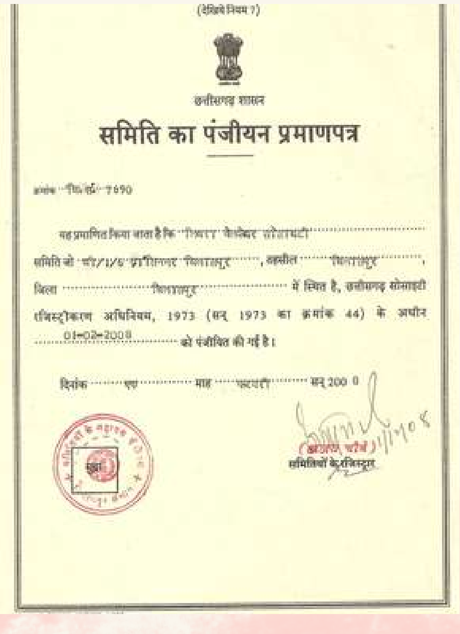

छत्तीसगढ़ शासन

समिति का पंजीयन प्रमाणपत्र

क्रमांक 7690

छत्तीसगढ़ सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1973 (सन् 1973 का क्रमांक 44) के अधीन 01-02-2008 को पंजीकृत की गई है।

समितियों के रजिस्ट्रार

पिछले वर्षों के कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम ....एक नज़र............

लिब्रा वेलफेयर सोसायटी 2008 से निरंतर शासकीय-अशासकीय प्रचार प्रसार, ऑडियो वीडियो कार्यक्रम निर्माण, फिल्म निर्माण, आकाशवाणी के प्रायोजित कार्यक्रम, इंटरनेट रेडियो, वेब डिजायनिंग के अलावा संस्था द्वारा बिना किसी अनुदान के नगर मे विभिन्न प्रकार के जनजागरूकता अभियान लगातार चलाये जा रहे हैं-

1. टॉकिंग बुक्स -छ.ग के अंध बधिर स्कूलों के लिये कक्षा 6 से कक्षा 12 तक के बच्चों के लिये उनके पाठ्यक्रम के राजनीतिशास्त्र, इतिहास एवं हिन्दी विषयों की ऑडियो सीडी की रिकॉर्डिंग व एडिटिंग करके तैयार किया गया।

2. नो प्लास्टिक प्लीज़-बिलासपुर शहर में प्लास्टिक निवारण के लिये प्रयास। इस संदर्भ में एक फिल्म के निर्माण, प्रदर्शन के अलावा कपड़ों के थैले सिलवा कर वितरण किया गया। अखबार के कागजों से पेपर बैग्स बनवाकर उनको लोगों को बांटा गया और अनेक संस्थानों में कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

3. अस्तित्व -बुजुर्गों के लिये डे केयर सेंटर का संचालन प्रगति विहार, बिलासपुर में किया गया। जिसमें उनके लिये निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर के आयोजन किये गये।

4. आकृति-बच्चों के लिये 15 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन, जिसमें उनका निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, संस्कार कक्षाओं के माध्यम से उनके मन में पौष्टिक भोजन के प्रति लगाव व जंक फूड के नुकसान, पर्यावरण से जुड़ाव जैसे अनेक कार्यक्रम संचालित किये गये।

5. होली व रंगोली - रासायनिक रंगों के उपयोग और उनके दुष्परिणामों के बारे में और हर्बल रंगों के निर्माणव उपयोग की जानकारी अनेक कार्यशालाओं के माध्यम से जनसाधारण तक पहुंचाई गई। इस संदर्भ में एक लघुफिल्म का फिल्मांकन कर प्रदर्शन भी किया गया। इन कार्यक्रमों में कई वरिष्ठ चिकित्सकों ने अपनी सलाह एवं विचार भी रखे।

6. अपनी सुरक्षा अपने अधिकार- संस्था द्वारा अलग अलग विषयों पर लोगों को जागरूक करने के लिये एक अभियान चलाया गया। ये अभियान प्रतिष्ठित डॉक्टरों, अधिवक्ताओं व पुलिस विभाग के सहयोग से तैयार रूपरेखा पर आधारित कार्यक्रम था-

- **बच्चों के सामान्य अधिकार**-इसके अंतर्गत ये बताया जा रहा है कि भारतीय संविधान के अनुसार बच्चे के कौन कौन से अधिकार हैं। पीआईएल और चाइल्ड हेल्पलाइन के बारे में विस्तृत जानकारी ! आपका बच्चा किस प्रकार सुरक्षित रह सकता है.
- **महिला प्रताड़ना** - कानूनी अधिकार विषय के अंतर्गत प्रताड़ना क्या है, किसी भी रूप परेशान किये जाने की किस सीमा को हम प्रताड़ित किया जाना कहेंगे। महिला सुरक्षा नियमों व हाल में हुए कानूनी परिवर्तनों के बारे में जानकारी। हमारी सुविधा और सुरक्षा के लिये है पुलिस, जानें पुलिस विभाग के बारे में। क्या है एफआईआर और जानें सायबर अपराधों के बारे में।
- **वोट देने का अधिकार** - एक जिम्मेदार लोकतंत्र के निवासी होने के नाते 18 साल से अधिक उम्र के हर भारतीय नागरिक को अपनी मर्जी से वोट देकर अपना प्रतिनिधि चुनने का अधिकार है। चुनाव क्या हैं, हर स्तर पर चुनाव प्रक्रिया क्या है और हमारी सरकार कैसे बनती है और हमारे क्या अधिकार हैं।

- **जानें मानव की शारीरिक संरचना**- महिलाओं की विभिन्न स्वास्थ्यगत परेशानियां व बचाव के उपाय ।
- **आत्मसुरक्षा व बचाव के तरीके**- आत्मसुरक्षा के लिये मांसपेशियों को मजबूती देने वाली सामान्य एक्सरसाइज आत्म बचाव के लिये कुछ तकनीकी जानकारियां कुछ हेल्पलाइनों के बारे में जानकारियां।

7. रोज़ एक कहानी-पुराना समय था जब हर घर में बच्चे अपनी नानी, दादी से कहानी सुने बिना सोते नहीं थे। कुछ शिक्षाप्रद कहानियां कहानियां सुनने के बाद जब बच्चे सोते थे तो सपनों में भी उन्हें कुछ अच्छा ही दीखता था। सुषुप्तावस्था में में भी वे अच्छे संस्कारों से युक्त हुआ करते थे। क्योंकि ये बात वैज्ञानिक भी मानते हैं कि सोने से पहले व्यक्ति जो कुछ सोचता, सुनता या देखता है, वो उसके मन में बसा होता है और सपने भी ज्यादातर उस संदर्भ में ही देखता है। लेकिन आज का बच्चा देर रात तक टीवी देखता है, इंटरनेट पर गेम्स, फिल्मों, कार्टूनों से जूझता रहता है और यूं ही कब सो जाता है माता पिता को भी पता नहीं चलता।
हमारी संस्था के माध्यम से 3 से 8 साल तक के ऐसे बच्चों के 50 पालकों को एक व्हाट्सएप्प नंबर उपलब्ध करवाया गया और उनको 'रोज एक कहानी' क्रम के तहत प्रतिदिन एक ऑडियो कहानी जिसको संस्था के कलाकारों द्वारा ही तैयार किया जाता था, भेजी गईं।

8. सिने पीरियेड-चिल्ड्रन्स फिल्म सोसायटी द्वारा निर्मित फिल्में सिर्फ बच्चों को ध्यान में रखकर बनायी जाती हैं। प्रेरणादायी, बच्चों की कहानियों पर आधारित ऐसी फिल्में जिनमें अभिनय व मुख्य किरदार भी बच्चों का ही होता है। ये फिल्में चिल्ड्रन्स फिल्म सोसायटी से सीधे फिल्में मंगवाकर, 3 दिनी उत्सव किया गया। 1000 लोगों के बैठने की व्यवस्था वाले इस हॉल में विभिन्न स्कूल के बच्चों को अलग अलग शो में आमंत्रित करके उनको ये फिल्में दिखायी गईं। इंटरवेल में बच्चों को फास्ट फूड के नुकसान बताते हुए कुछ ऐसे स्टॉलों का प्रबंध किया गया था जिसमें चिप्स, कुरकुरे, कोल्डड्रिंक्स नहीं, भेल, अंकुरित सामान, ढोकला, फलों का रस आदि का इंतजाम था। साथ ही इंतजाम था संस्था के ही कलाकारों, वालेन्टियर्स के ऑर्केस्ट्रा का। इंटरवेल और फिल्म के अंत में लाइव ऑर्केस्ट्रा शो में बच्चों के गाने आये हुए बच्चों को शामिल करके गाये जाते थे। इस दौरान बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण भी करवाया गया।

9. संवेदना - 40 बुजुर्ग महिला व 40 बुजुर्ग पुरुषों के लिये संचालित वृद्धाश्रम 'कल्याण आश्रम' में संस्था के सदस्य महीने में एक दिन व ही त्योहार पर उनके साथ समय बिताने जाते हैं। खाते-खिलाते हैं, मनोरंजन करते हैं। कभी मॉल में फिल्म, कभी पिकनिक जैसी गतिविधियों में शामिल करते हैं। उनकी समस्याओं को पूरी करने का प्रयास भी साथ साथ चलता रहता है। संवेदना नाम से चलाये जा रहे इस कार्यक्रम में युवा, बच्चे, महिलायें सब शामिल हैं जिनको अब बुजुर्ग भी अपने परिवार का सदस्य मानने लगे हैं।

10. अपना भोजन स्वयं उगायें - कुपोषण व प्रदूषण युक्त भोजन से खुद व परिवार को बचाने के लिये अपने घर में, गमलों या खाली स्थान पर पौधों के रोपण से संबंधित जाानकारी युक्त पुस्तिका छपवा कर लोगों को बांटी जाती है। घर के अंदर किस तरह के पौधे प्रदूषण मुक्त वातावरण बना सकते हैं या किस क्षेत्र में कैसी खाद्य सामग्री के पौधे लगाये जायें, सारी जानकारी पुस्तिका में उपलब्ध है। पर्यावरण को भी बढ़ावा देने वाले इस कार्यक्रम में पौधों व बीजों का वितरण भी किया जाता है।

11. वित्तीय साक्षरता -जागरूकता हर क्षेत्र में ज़ारूरी है। डिजटल जागरूकता, बैंक संबंधी जागरूकता की कमी के कारण आज ही दिन लोग फोन आदि के माध्यम से बेवकूफ बनाये जा रहे हैं। इस संदर्भ में आरबीआई के लिये संस्था ने 10 जागरूकता फिल्मों का निर्माण किया है, जिनमें बीमा, ऋण, निवेश, बजट, बचत के साथ फोन, मेल पर मिलने वाले लालच भरे ऑफर्स के बारे में नाटकीय ढंग से बताया गया है। स्क्रिप्ट, अभिनय, कैमरा, डायरेक्शन, एडिटिंग आदि संस्था के लागों द्वारा ही किया गया प्रयास है। छत्तीसगढ़ी में बनी इन फिल्मों को गांवों में दिखाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

12. कम्युनिटी रेडियो - केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा शैक्षणिक संस्थानों एवं एनजीओ को प्रदान की जाने वाली कम्युनिटी रेडियो योजना के तहत बिलासपुर की लिब्रा वेलफेयर सोसायटी को ये सुविधा 90.8 फ्रीक्वेंसी के साथ दी गई।
बिलासपुर की अरपा नदी के नाम पर आधारित रखे गये इस रेडियो का मुख्य उद्देश्य जनचेतना जागृति, स्थानीय भागेदारी, लोगों को आपस में जोड़ने और छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति, तीज-त्योहार आदि को ऑडियो में सहेजना व अंचल के लोगों को हर क्षेत्र की जानकारियां उपलब्ध करवाने के साथ विकास में सहयोगी बनना।

Name and Genesis of the CRS:
Arpaa Radio 90.8, Bilaspur Chhattisgarh runs through Libra Welfare Society (Registration 7690/ Dt.01.02.2008) License Number: FMCR-311/1
Application Submitted: 28.09.2015
LOI 02.01.2017
DL 08.05.2018
SACFA 29.08.2018
GOPA 23.09.2019
WOL 02.02.2021
Launched 01.04.2021

Address, Contact Number, and Email ID of the CRS: Complete address, official contact number, email ID, and website of the CRS
Address: Lane Number R-5, B1/6, Kranti Nagar, Bilaspur (C.G.) 495001
Contact No. 9827150507, 9179132444
Email ID libra.welfare@gmail.com
arpaaradio@gmail.com
Website: www.arpaaradio.com
Google Anaroid App : arpaa radio

What is Arpaa Radio APP & Arpaa Website

- बिलासपुर में हमारा संस्थान विगत कई वर्षों से ऑडियो के माध्यम से अनेक कार्य करता रहा है। छत्तीसगढ़ के समस्त आकाावाणी केन्द्रों के लिये कार्यक्रमों का निर्माण, नेत्रहीन बच्चों के पाठ्यक्रम का ऑडियो रूपांतरण, छोटे बच्चों के लिये कहानियों का प्रोडक्षन आदि। बिलासपुर में निर्मित ये और बहुत सारे ऑडियो व पॉडकास्ट इंटरनेट पर अलग अलग प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध हैं। इनको एक एप पर एक साथ रखने के उद्देष्य से गूगल प्ले स्टोर पर अरपा रेडियो एप के नाम से लांच किया गया।
- अरपा रेडियो एप्प ऑडियो प्रोग्राम सुनने व ऑडियो फाइल्स संग्रहण करने लिये निर्मित एप्प था। पर चूंकि शासकीय नियमानुसार कम्युनिटी रेडियो की प्रसारण क्षमता कम दूरी तक संभव है, इसलिये अब लाइव या सजीव प्रसारण को ‘एप्प’ पर सुनने के लिये उपलब्ध करा दिया गया है। जिससे अब बिलासपुर का प्रसारण ग्लोबली सुना जा रहा है।
- अरपा रेडियो के लिये अब वेबसाइट भी लांच हो चुकी है, जिस पर आर्काइव व लाइव रेडियो सुना जा सकता है।

APP Link: https://play.google.com/store/apps/details?id=com.arpaaradio
Website Link: www.arpaaradio.com

Arpaa Radio’s Motive

- **Mission**
- EDUCATE, ENLIGHTEN & ENRICH

- **Vision**
- To develop an ecosystem of collaboration, cooperation, and sharing of resources among intersections using information, knowledge, and humane touch for self-empowerment and community development.

- **Goals**
- Networking of educational institutions to enhance human potential through an ecosystem of cooperation, and knowledge dissemination. A participatory approach to the intersection of society will be undertaken with real success stories reflecting their dreams, passion & motivation to bring quality living to their lives.
- Conservation of environment, traditional knowledge and cultural values and Awareness in the age of Globalisation

22 MARCH 2020 से अरपा रेडियो की शुरूआत **8** घंटे के सजीव प्रसारण के साथ की गई।

जनता कर्फ्यू व धन्यवाद दिवस पर कोरोना वायरस के खिलाफ एकजुटता की लड़ाई। आपात, आवश्यक व चिकित्सकीय सेवायें प्रदान कर रहे कर्मयोगियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही भ्रांतियों, अफवाहों को तोड़ने के संदेश व संयम बरतने की बातें इस दिन के कार्यक्रम में शामिल की गईं ।

अरपा कम्युनिटी संचालन समिति

शिव कुशवाहा
सुनील चिपड़े
शाकंबरी टंडन
मीनू सिंह
अरुण भांगे
योगेश पांडे
संज्ञा टंडन
श्वेता पांडेय
गिरीश मिश्रा
डॉ.राजेश
स्वधा पांडेय
रचिता देशपांडे
भूपेश नवरंग
अनीष श्रीवास
कशिश
अनुज श्रीवास्तव
विक्रम ठाकुर
आकांक्षा ठाकुर

बिलासपुर के वरिष्ठ अधिकारियों, नेतृत्वकर्ताओं से बातचीत, संदेश व जानकारियों का प्रसारण किया गया-

- मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का संदेश
- श्री शैलेष पांडेय: विधायक बिलासपुर
- डॉ.संजय अलंग: जिलाधीश बिलासपुर
- श्री दीपांशु काबरा: पुलिस महरनिरीक्षक
- श्री प्रशांत अग्रवाल: एस पी बिलासपुर
- श्री रामशरण यादव: महापौर, बिलासपुर
- श्री रीतेश अग्रवाल: सीईओ, जिला पंचायत
- श्री राजीव श्रीवास्तव: पूर्व डीजी, सीआईडी
- डॉ.प्रदीप कुमार पात्रा: डीन, सिम्स
- डॉ.रमणेश मूर्ति: आईएमए अध्यक्ष, हेड माइक्रोबायलॉजी विभाग
- डॉ.अखिलेश देवरस: वरिष्ट चिकित्सक
- श्री भूषण चिपड़े: चार्टर्ड अकाउन्टेंडेट, रचनाकार
- श्री माजिद अली - स्वास्थ्य विभाग
- रचनात्मक हस्तक्षेप: रचना-राजेश गनौदवाले, स्वर-श्री राधेश्याम पटेल

22 MARCH 2020 से अरपा रेडियो की शुरूआत **8** घंटे के सजीव प्रसारण के साथ की गई।

प्रथम दिवस कार्यक्रम निर्माण व प्रसारण:

ए.वी.वाय.की तिकडी - जज़्बे की बात कार्यक्रम की रूपरेखा, कोरोना की जानकारी - सूत्रधार : योगेश, विक्रम, अरुण - छत्तीसगढ़ी

फैक्ट फाइल्स ऑफ कोरोना - स्वधा

कोरोना से जुड़ी भ्रंतियों को तोडें - योगेश

अरपा रेडियो द्वारा आयोजित कराओके प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों के गीत

जनता की भागेदारी - श्रोताओं से फोन कॉल्स - अनीश, विक्रम

छत्तीसगढ़ी लोक संगीत

डर के बीच उम्मीद की किरण - स्वधा

फिल्मों में रवीन्द्र संगीत - संज्ञा

सुर सिनेमा: गीतों के साथ डॉक्टर्स के संदेश : सुनील

खरा सोना गीत - अलग अलग फोन कॉल्स

कोराना इत्तिफाक - इंसान हैं हम - स्वधा

लहू का रंग एक है - महिला विशेष कोरोना कार्यक्रम - स्वधा

महिलाओं से फोन पर बातचीत व जानकारियां

कोरोना कॉलिंग: अरुण भांगे फोन कॉल पर कोरोना (पात्र) के रूप में बातचीत सावधानियां बताते हुए 7 लोगों से बातचीत

KARAOKE COMPETITION
ONLINE ENTRIES 38

JUDGES
CHMPA BHATTACHARYA
RADHESHYAM PATEL
KANCHAN AMIT DAS

LOCK DOWN +VE PROGRAMMES

लॉकडाउन में जुड़ें अलग अलग शहरों और घरों में बह रही सकारात्मक ऊर्जा के साथ प्रस्तुति:

- सुमेधा अग्रश्री के साथ
- संगीता अग्रवाल
- संज्ञा टंडन
- योगेश पांडे

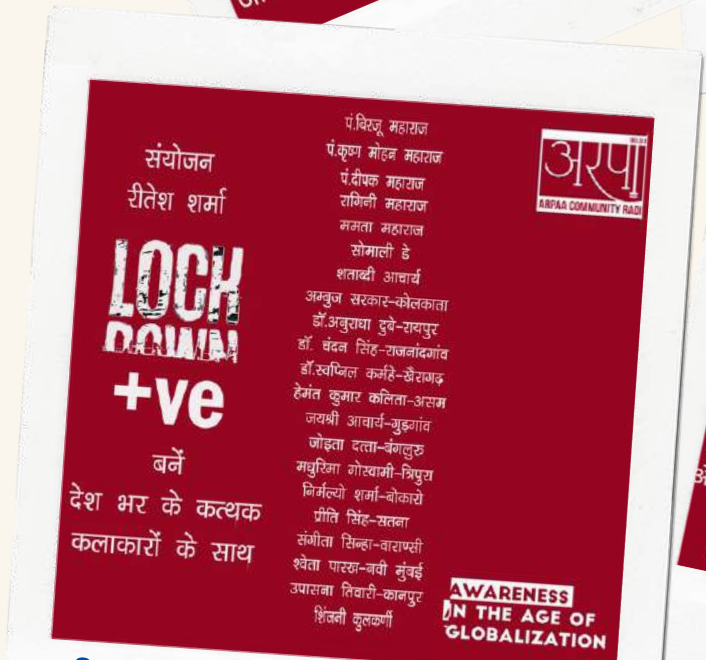

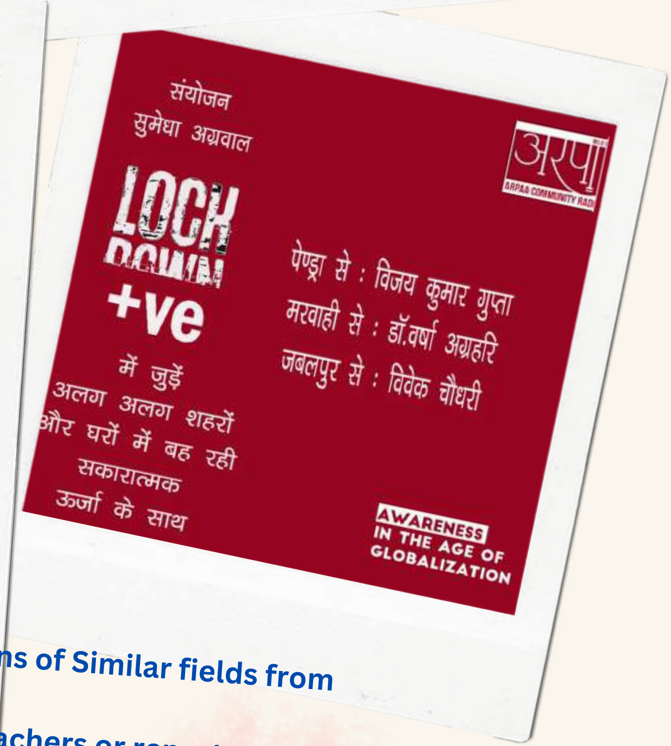

Suggestions and experiences from persons of Similar fields from the whole India
like kathak artists or theater artists or teachers or reporters etc.
This series is produced in the form of a feature. 3 episodes
रितेश शर्मा

- लॉकडाउन में जुड़ें किचन आर्टिस्ट के साथ
  प्रस्तुति: रचिता टंडन के साथ
- आपकी नज़र से लॉक डाइन के दौरान विभिन्न शहरों की महिलाओं से बातचीत
  प्रस्तुति: स्पेन से पूजा अनिल

CORONA VIRUS JINGLES
AWARENESS MESSAGES THROUGH, ARPAA RADIO, ARPAA APP, FB & WHATSAPP

- अस्पताल वाली सावधानी
- बच्चों, बुजुर्गों के साथ न निकलें
- पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें
- हेल्थ वर्कर्स का ध्यान रखें
- जागरूकता सहभागिता
- लोगों को समझायें
- लॉकडाउन पालन समय सीमा उपयोग
- मास्क को न समझें मज़ाक
- काम पर जाने की तैयारी में भी अब रखें ध्यान
- कार्यस्थल पर कोरोना से बचाव की डालें आदत
- संकटकाल में परिवहन और यात्रा की डालें नयी आदतें
- कहीं से घर लौटने पर भी आदतों में करें बदलाव

- वार्ता: पृथ्वी की ओर लौटती हुई दुनिया - आलेख विनोद वर्मा
- वार्ता - एक रचनात्मक व्यक्ति का लॉकडाउन कैसा होना चाहिये -डॉ.अनुराधा दुबे
- न्यूयॉर्क से विभाश्री साहू की कोरोना रिपोर्ट

08.05.2020

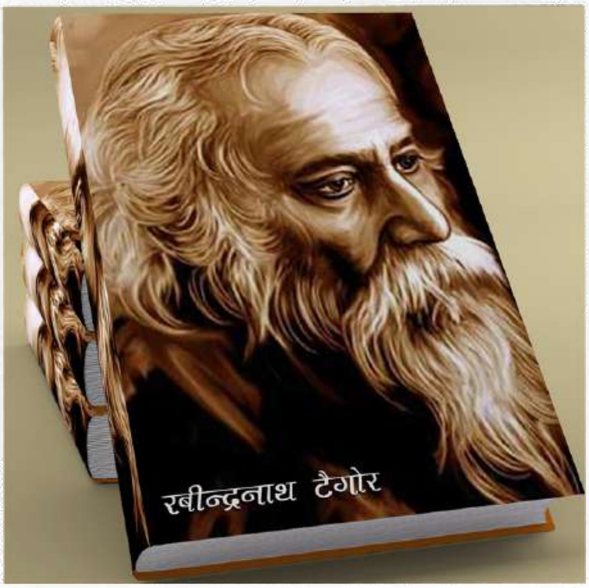

रवीन्द्र नाथ टैगोर जयंती
गुरुदेव की कहानियाँ और उन पर आधारित कार्यक्रम. कहानियों की औडियो किताब विमोचन

TALKCHEET WITH ARUN
रंगमंच से जुड़े मुद्दों पर देश के विभिन्न शहरों के रंगकर्मी साथियों के साथ बातचीत:

एपिसोड 01 : रंगकर्म और घर-परिवार के साथ सामंजस्य कैसे?

- आकाश गिरी गोस्वामी ; धमतरी, छत्तीसगढ़
- अर्चना ध्रुव ; भिलाई, छत्तीसगढ़
- भवानीशंकर तिवारी ; रायगढ़, छत्तीसगढ़

एपिसोड 02 :रंगकर्म से वर्तमान में युवाओं के जुड़ाव में वृद्धि। रंगमंच व युवाओं को एक दूसरे से क्या लाभ?

- डॉ आनंद पांडेय; जशपुर, छत्तीसगढ़
- ओम प्रकाश; स्टील सिटी, बोकारो, झारखंड
- कुणाल भांगे; बिलासपुर, छत्तीसगढ़

एपिसोड 03 : मंच परे काम करने वालों के लिए कार्य संभावनाएं

- विवेक निर्मलकर; दुर्ग, छत्तीसगढ़
- धनंजय शर्मा; दिल्ली
- श्याम देवकर; रायगढ़, छत्तीसगढ़

एपिसोड 04 : फिल्मों में काम करने से पहले क्या रंगमंच करना ज़रूरी है......

- प्रतिज्ञा व्यास; डोंगरगढ़, छत्तीसगढ़
- बेनेडिक्ट फ्रांसिस; राजनांदगांव, छत्तीसगढ़
- सुहास बंसोड; मुंबई, महाराष्ट्र

08.05.2020 से रंगमंच पर आधारित रेडियो शृंखला

एपिसोड 05 : बाल रंगमंच बच्चों के लिए कितना उपयोगी?

- योगेश पांड; बिलासपुर, छत्तीसगढ़
- हेमंत वैष्णव; रायपुर, छत्तीसगढ़
- प्रीतेश पांडेय; जशपुर, छत्तीसगढ़

एपिसोड 06 : रंगमंच से जुड़कर स्वयं में क्या बदलाव? ये बदलाव दूसरों पर कैसा असर करता है ?

- मोहम्मद रफ़िक़; बिलासपुर, छत्तीसगढ़
- मैत्रेयी कुहू; पटना, बिहार
- अभिषेक चौधरी; रायपुर, छत्तीसगढ़

एपिसोड 07 : रंगमंच में महिला कलाकारों की वृद्धि। महिला रंगमंच कलाकारों के लिए संभावनाएं।

- तानाजी राव वावड़े; भोपाल, मध्यप्रदेश
- सिग्मा उपाध्याय; रायपुर, छत्तीसगढ़
- शिवांगी मुदलियार; बिलासपुर, छत्तीसगढ़

एपिसोड 08 :आज के दर्शकों के लिए कैसे नाटक खेलने चाहिए?

- विनोद बोहिदार; रायगढ़, छत्तीसगढ़
- सत्येंद्र रावत; जबलपुर, मध्यप्रदेश
- शुभम बार ; सतना, मध्यप्रदेश

एपिसोड 09 : रंगमंच करने के लिए पढ़ना कितना जरूर?

- नीरज मूर्ति; पुणे, महाराष्ट्र
- भूपेंद्र सेठिया; कोंडागांव, छत्तीसगढ़
- चित्रांश श्रीवास्तव; भिलाई, छत्तीसगढ़

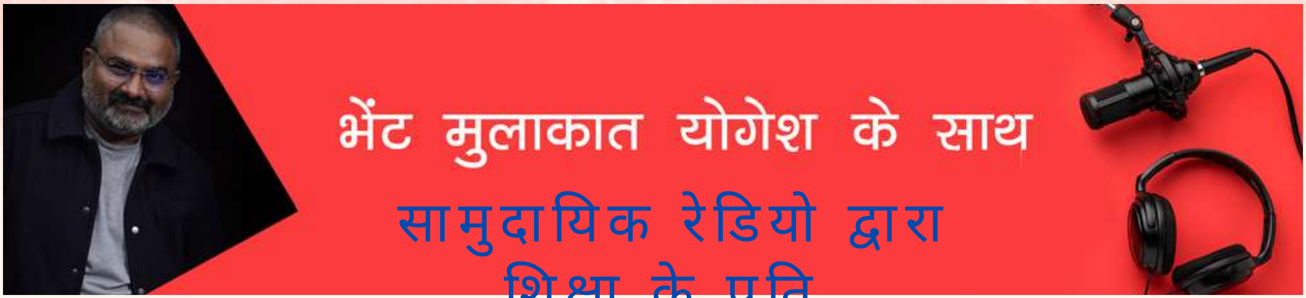

सामुदायिक रेडियो द्वारा शिक्षा के प्रति उत्तरदायित्व

भेंट मुलाकात योगेश के साथ

- प्रायमरी स्कूलों में शिक्षण प्रणाली के संदर्भ में देवयानी भारद्वाज से बातचीत
- भेंट मुलाकात योगेश के साथ (रेडियो शृंखला)
  प्राथमिक व मिडिल कक्षाओं में अंग्रेजी शिक्षण में आ रही कठिनाइयों पर फोन इन कार्यक्रम
  विशेषज्ञ: डॉ.आई संध्या रानी, वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद

- एपिसोड **01** आज के शिक्षक और उनके प्रश्न : **1.** अर्चना जाधव
  अंग्रेजी शिक्षण में स्ट्रेस लेस वातावरण कैसे बनाया जाये?

- एपिसोड **2** आज के शिक्षक और उनके प्रश्न : **2** वर्षा श्रीवास
  क्लासरूम में कैसा एनवायरनमेंट क्रिएट करें कि बच्चे इंग्लिश कि क्लास में इंटरेस्ट लें?
  इंग्लिश में बातचीत करना बच्चों कि हैबिट में कैसे लायें?
  स्टूडेंट्स और टीचर्स के बीच कन्वर्सेशन कैसा हो कि कोई कम्युनिकेशन गैप न हो?

- एपिसोड **3** : आज के शिक्षक और उनके प्रश्न : **3** मार्कस
  हमारे प्राथमिक शाला के बच्चों के पास **VOCABULARY** तो है पर वे उसे वाक्य में ढाल नहीं पाते| तो इस समस्या को किस तरह से ठीक किया जाए ताकि वे उसे पकड़ कर अपने वाक्यों में इस्तेमालकर सकें?

- एपिसोड **4** : आज के शिक्षक और उनके प्रश्न : **4** स्वीटी विश्वकर्मा
  IS GRAMMAR COMPULSORY FOR ENGLISH CONVERSATION?
  HOW TO MANAGE A CLASSROOM FOR ENGLISH CONVERSATION?
  WHAT IS THE BEST PRACTICE METHOD FOR ENGLISH SPEAKING?

- आज के शिक्षक और उनके प्रश्न **5.** अभिषेक शर्मा
  क्या हम केवल परीक्षा पास करने के लिए पढ़ाने से ऊपर उठकर ऐसा कुछ कर सकते हैं कि बच्चा अंग्रेजी भाषा को बोलने और उसे यूज़ करने पर ज्यादा ध्यान दे?

- एपिसोड **5** आज के शिक्षक और उनके प्रश्न : **6.** हीरेन्द्र पाठक
  अंग्रेजीं भाषा शिक्षण में उच्चारण और स्पेल्लिंग के बीच के अंतर के मध्य सामंजस्य कैसे बैठा पायें?
- आज के शिक्षक और उनके प्रश्न : **7.** घनश्याम पटेल
  प्राइमरी स्कूल में अक्षर ज्ञान कि ऐसी कौन सी गतिविधि अपनाई जाये कि सभी बच्चे एक साथ अंग्रेजी के अक्षरों को पहचान सकें और उनका उपयोग कर सकें।

- एपिसोड **6** आज के शिक्षक और उनके प्रश्न : **8.** बबीता घोरे
  मेरे विद्यालय के कक्षा **1** के बच्चे कैपिटल और स्माल लेटर्स को पहचानने में गलतियां करते हैं इसे कैसे सुधारें।
- आज के शिक्षक और उनके प्रश्न : **9.** वृंदा चिपड़े
  मैं इंग्लिश मध्यम स्कूल में पढ़ाती हूँ हमारी स्कूल में टीचर्स को इंग्लिश बोलना कंपल्सरी है काफी प्रयासों के बाद भी मैं कर नहीं पा रही हूँ. मेरा मार्गदर्शन करें.

- एपिसोड **07** आज के प्रश्न और प्रश्नकर्ता शिक्षक: **10** उषा कोरी
  अंग्रेजी के वाक्यों को बच्चे पूरी तरह समझ जाये ऐसी कोई तकनीक बताइए?
- आज के प्रश्न और प्रश्नकर्ता शिक्षक: **11** वंदना रोहिल्ला
  कक्षा **9** में नए आने वाले बच्चों में बेसिक स्किल्स का अभाव देखा जाता है ऐसे में उन्हें पिछले **8** वर्षों कि स्किल्स और कक्षा **9** कि स्किल्स दोनों कैसे सिखाएं ताकि हमारा भाषा शिक्षण का उद्देश्य पूरा हो सके?

- एपिसोड **8** आज का प्रश्न और प्रश्न कर्ता: **12** डॉ. रत्न मिश्रा
  भाषा शिक्षकों विशेषकर अंग्रेजी भाषा के शिक्षकों में उच्चारण कि त्रुटियों को कैसे सुधारा जा सकता है?

सामुदायिक रेडियो द्वारा समाज के प्रति उत्तरदायित्व

प्रदेश सरकार की शिक्षा योजना के प्रति जागरूकता

नगर के वृद्धजनों के लिए योजनाओं और पेंशन की जानकारी। वरिष्ठ नागरिकों कोदी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी।
श्री चंद्रप्रकाश देवरस और श्री रमेश श्रीवास्तव

नगर के महिला ब्राह्मण समाज की उपलब्धियां व कार्यक्षेत्र

दिवस व दिनविशेष पर जानकारियाँ व समाज की सहभागिता युक्त कार्यक्रमों का प्रसारण

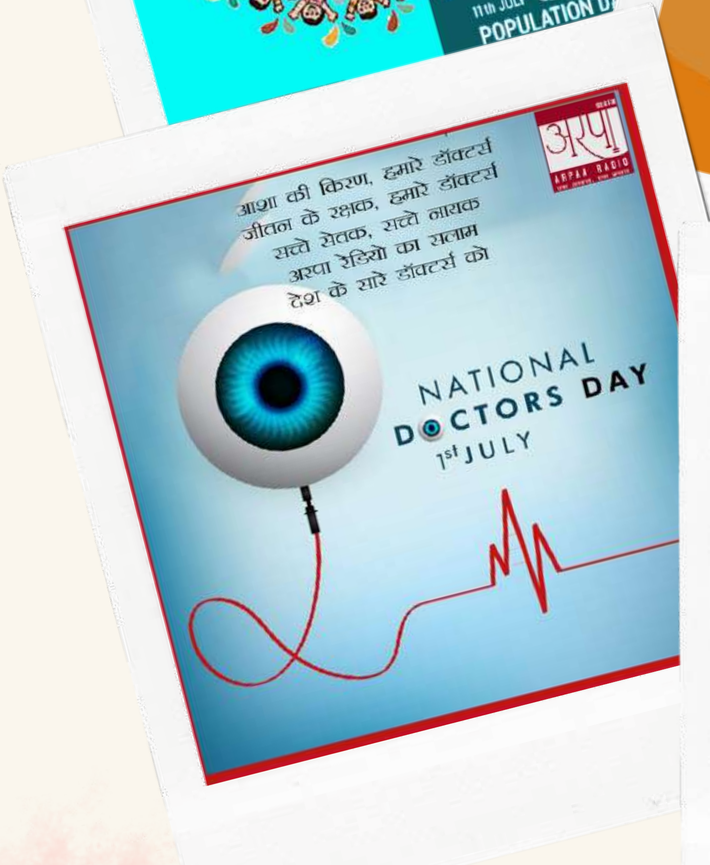

दिवस व दिनविशेष विभिन्न कार्यक्रम व इवेंट्स

दिवस व दिनविशेष विभिन्न कार्यक्रम व इवेंट्स

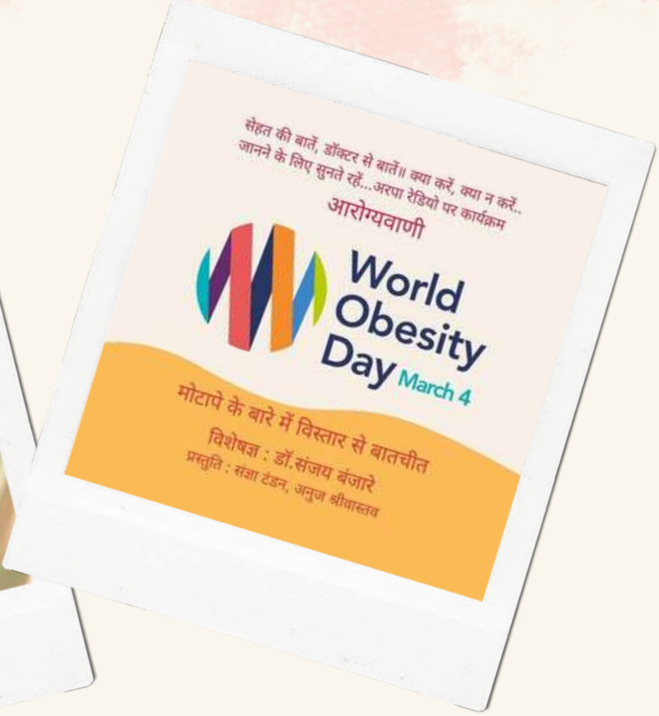

सोचें कुछ अपने और कुछ धरती माँ के स्वास्थ्य की
सुबोध टंडन से बातचीत

जानकारी संदेश

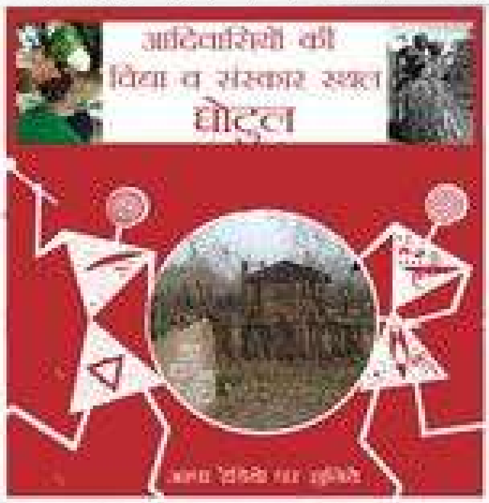

छत्तीसगढ़ की संस्कृति

जागरूकता संदेश

श्रोताओं की प्रतिक्रिया

बच्चों का साप्ताहिक कार्यक्रम

विभिन्न कार्यक्रमों की स्टूडियो व स्थल रिकॉर्डिंग, सहभागिता और इवेंट्स

छत्तीसगढ़ी कलाकार
श्री राधेश्याम

छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम प्रस्तोता-
महेंद्र साहू

छत्तीसगढ़ी रामायण
की रिकॉर्डिंग

संस्था द्वारा नाट्य व
ANCHORING कार्यशाला

खिलखिलाहट के लिए बच्चे

स्कूल के बच्चों की सहभागिता व
EDUCATIONAL TOUR OF STUDIO

विभिन्न कार्यक्रमों की स्टूडियो व स्थल रिकॉर्डिंग, सहभागिता और इवेंट्स

संस्था की सामान्य मीटिंग

DPS स्कूल छात्रों की स्टूडियो में रिकॉर्डिंग

CMD कॉलेज के NSS छात्रों की स्टूडियो में रिकॉर्डिंग

ANCHORING,ANNOUNCEMENT, कॉम्पीरिंग, साउन्ड एडिटिंड वर्कशॉप

फिल्म निर्देशक, कलाकार विवेक देसू नारायण

आरजे दीक्षा

स्टूडियो रिकॉर्डिंग, प्रसारण के साथ औडियो किताबों का निर्माण जो वेबसाईट व एप पर उपलब्ध हैं।

डॉ. प्रीति प्रसाद की कविताओं व रेडियो शृंखलाओं पर आधारित AUDIO BOOK

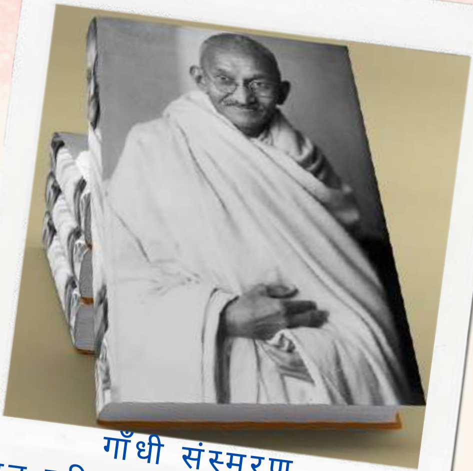

गाँधी संस्मरण
वाचन:हरिश्चंद्र वाद्यकार, संज्ञा टंडन

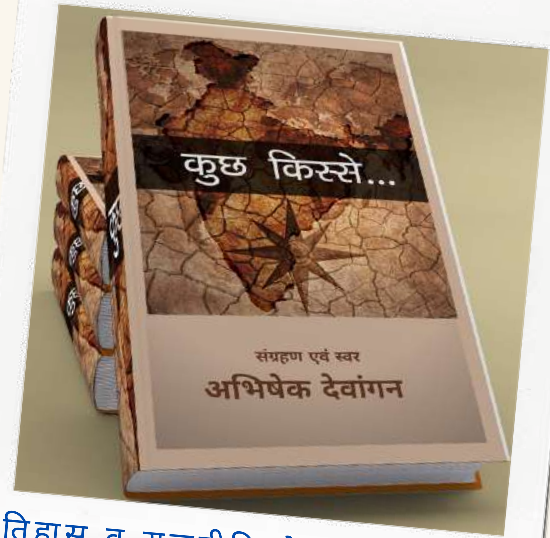

इतिहास व राजनीति से जुड़े कुछ किस्से
प्रस्तुति : अभिषेक देवांगन

भाषाविद डॉ.रमेश चंद्र महरोत्रा के आलेखों पर आधारित अर्थ, उच्चारण और व्याकरण में एक जैसे लगने वाले शब्दयुग्मों में बारीक अंतर बताने वाली औडियो बुक का प्रथम अंक।
(100शब्द युग्म शामिल)

संगीता अग्रवाल के आलेख, कविताओं का वाचन उनकी ही आवाज में

अरपा रेडियो के कुछ
Exclusive Interviews

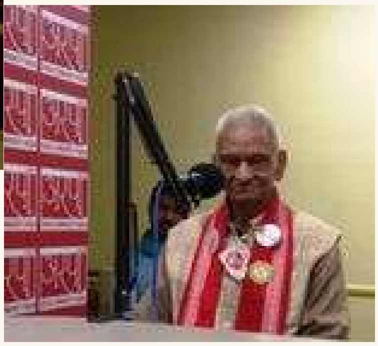

ट्रांसजेन्डर्स के साथ अरपा रेडियो Valentines Day खास बातचीत

नेत्रहीन बच्चों को लगातार अरपा रेडियो द्वारा औडियो में पाठ्यक्रम व कहानियों की सीडी प्रदान की जाती हैं।

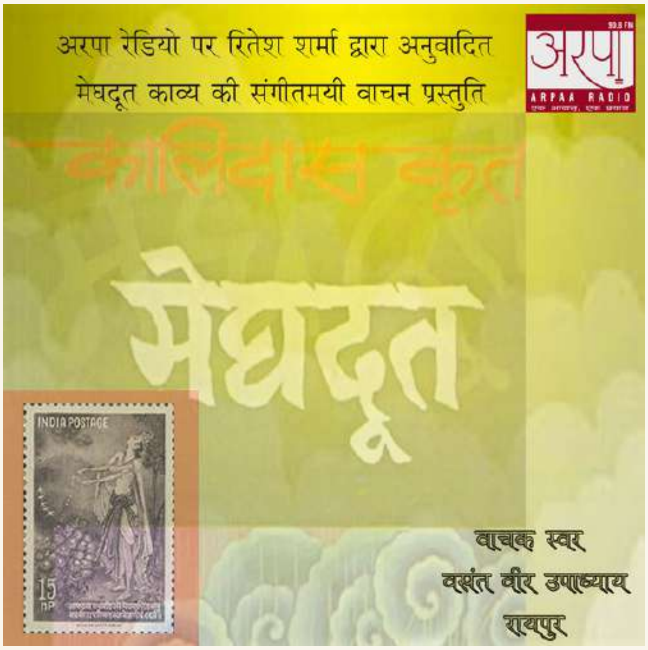

- कालजयी रचनाओं का औडियो रूपांतरण करने का प्रयास जारी।
- पिछली पीढ़ी के साहित्य- संस्कृति को आने वाली पीढ़ी के लिए औडियो रूपांतरण में सक्रिय लिब्रा वेल्फेयर सोसाइटी

संस्था के कुछ अन्य कार्य
होली बुजुर्गों के साथ

संस्था के कुछ अन्य कार्य

फिल्म मेकिंग कार्यशाला

26 दिसम्बर 2021 से
27-दिसम्बर 2021
बर्जेस स्कूल, बिलासपुर

प्रतिभागी - 12
प्रशिक्षक : अज़ीज़ क़दीर
रायपुर दूरदर्शन
पूर्व कैमरामैन

संस्था के कुछ अन्य कार्य

उच्च शिक्षा आपके द्वार

अरपा सामुदायिक रेडियो में
छत्तीसगढ़ के मुक्त विश्वविद्यालय
पंडित सुंदर लाल शर्मा वि. वि.

के लाइब्रेरी साइंस, शिक्षा, कंप्युटर, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र,
हिन्दी व अंग्रेजी के पाठ्यक्रमों का
प्रतिदिन 12 से 1 बजे
6 महीने नवंबर 2020 से मार्च 2021
तक प्रसारण किया गया।

संस्था के कुछ अन्य कार्य

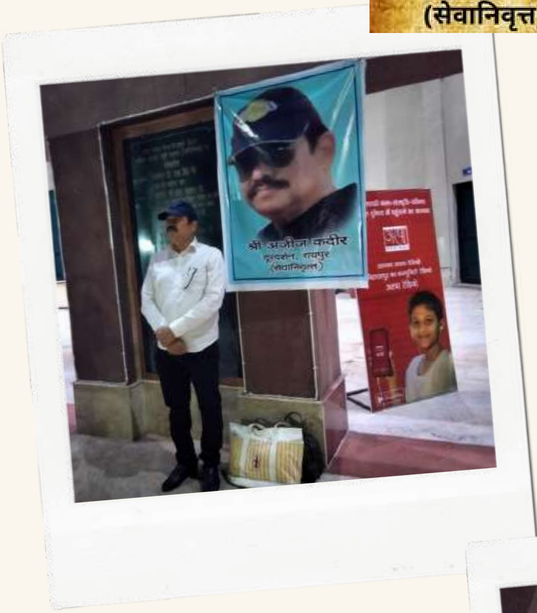

संस्था पुरस्कृत